3

20/11/21

B. Reading

नन्ही बतख

कथन	किसने कहा?	किससे कहा?
क. क्या करूँ! डंक मारना मेरा स्वभाव है।	बिच्छू ने	नन्ही बतख से
ख. माँ, मैं उसकी गंदी आदत छुड़ाकर रहूँगी।	नन्ही बतख ने	माँ से
ग. तुम यह गंदी आदत छोड़ दो।	नन्ही बतख ने	बिच्छू से
घ. भलाई करना मेरा स्वभाव है।	नन्ही बतख ने	बिच्छू से
ङ. मैं वचन देता हूँ कि अब मैं किसी निर्दोष जीव को डंक नहीं मारूँगा।	बिच्छू ने	नन्ही बतख से

सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

क. बतख ने दलदल में किसको देखा?

i. माँ बतख को ☐ ii. मेढक को ☐ iii. बिच्छू को ☑

ख. मौत सामने देखकर बिच्छू को किसकी याद आई?

i. नन्ही की ☑ ii. माँ बिच्छू की ☐ iii. मकड़ी की ☐

ग. नन्ही का स्वभाव क्या था?

i. डंक मारना ☐ ii. भलाई करना ☐ iii. बुराई करना ☑

घ. इस कहानी का अन्य उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?

i. नटखट बिच्छू ☐ ii. भलाई ☐ iii. भूल का अहसास ☑

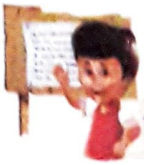

इन पर विचार करो

1. यदि कहानी में नन्ही की जगह आप होते, तो बिच्छू के साथ कैसा बरताव करते? सोचकर बताओ।
2. क्या सचमुच हम अपनी भलाई से दूसरों की बुराइयों को दूर कर सकते हैं? अपने किसी अनुभव के आधार पर बताओ।

प्रशंसा-योग्य

- **सुनो-सुनाओ—**

एक व्यक्ति की आदत थी कि वह रास्ते में मिलने वाले हर व्यक्ति को नमस्कार करता था, परंतु आदमी हमेशा उसके नमस्कार का जवाब गाली से देता था। एक दिन उस व्यक्ति से किसी ने पू "वह आदमी हर रोज़ तुम्हें बुरा-भला कहता है, तुम फिर भी उसे नमस्कार क्यों करते हो?" उस इनसान ने जवाब दिया, "जब वह मेरे लिए अपनी बुरी आदत नहीं छोड़ सकता तो मैं उसके लिए अ अच्छी आदत क्यों छोड़ दूँ।" आप सबको भी अपने जीवन में इसी तरह का आचरण करना चाहिए

जानी-अनजानी बातें

- बिच्छू एक मांसाहारी जीव है। इसकी आयु 3 से 8 वर्ष की होती है। वह अपने पाचन तंत्र को नियंत्रित कर सालभर में केवल एक बार किए भोजन पर भी जीवित रह सकता है। यही नहीं, बिच्छू जमा देने वाली सरदी तथा मरुस्थल की भयानक गरमी को भी सहन कर सकता है। इसका आकार चाय के एक कप के बराबर होता है। बिच्छू का डंक बेहद पीड़ादायक होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक बिच्छू के ज़हर में पाए जाने वाले रसायन कैंसर जैसे रोग के इलाज में कारगर साबित हो सकते हैं।

भाषा से

श्रुतलेख

प्रार्थना, स्थान, विश्वासघात, बिच्छू, स्वभाव, निर्दोष, प्रसन्न

1. दिए गए संयुक्ताक्षरों से बने दो-दो शब्द लिखो–

च्छ – बिच्छू – स्वच्छ ..... अच्छा .....

न्ह – नन्ही – कान्हा ..... तन्हाई .....

स्व – स्वच्छ – स्वर ..... स्वागत .....

2. उचित समानार्थी शब्द चुनकर लिखो–

आदत – स्वभाव

पीड़ा – कष्ट

तट – किनारा

नदी – सरिता

शरम – लज्जा

राह – रास्ता

कष्ट रास्ता
लज्जा किनारा
स्वभाव सरिता

3. नीचे दिए हुए वर्णों से छह शब्द बनाओ–

भ, व, र, न, ग

भवन ..... रक्षा ..... गगन .....

वन ..... नगर ....

4. दिए गए मुहावरों के अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग करो–

आदत का गुलाम होना – आदत न छोड़ पाना – बिच्छू अपनी डंक मारने की बुरी आदत का गुलाम था।

वचन देना – वादा करना – मैंने माँ को कक्षा में प्रथम आने का वचन दिया है।

जीवनदान देना – किसी के जीवन की रक्षा करना – नन्ही ने बिच्छू की जान बचाकर उसे जीवन दान दिया।

शरम से पानी-पानी होना – बहुत लज्जित होना – बिच्छू अपनी करनी पर शरम से पानी-पानी हो गया।

5. **पाठ में नन्ही बतख के लिए प्रयुक्त सर्वनाम ढूँढ़कर लिखो–**

उसने ------ वह

मुझे ------ तुम

उसके ------ मेरा

6. **पढ़ो, समझो और करो–**

प्र०1) विशेषण किसे कहते हैं? Do in Hindi notebook

H.W

जो शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें **विशेषण** कहते हैं; जैसे–अच्छा, सुंदर, ए ईमानदार, नटखट, भारी, काला, दूसरा आदि।

प्र०2 **नीचे दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखो–**

क. नन्ही बतख नदी के तट पर घूम रही थी। ------ नन्ही

ख. उसने बिच्छू को सूखे स्थान पर रख दिया। ------ सूखे

ग. तुम यह गंदी आदत छोड़ दो। ------ गंदी

घ. तुमने बहुत अच्छा काम किया है। ------ अच्छा

ङ. अब मैं किसी निर्दोष जीव को डंक नहीं मारूँगा। ------ निर्दोष

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. "भले लोग बार-बार भलाई करके बुरे लोगों को भी भला बनने की राह दिखाते हैं।" इस कथन कक्षा में अध्यापक / अध्यापिका के साथ मिलकर बातचीत करो।
2. पुस्तकालय या इंटरनेट से ढूँढ़कर 'पंचतंत्र' या 'हितोपदेश' की शिक्षाप्रद कहानियाँ पढ़ो और कक्ष सुनाओ।
3. बतख की तरह पानी में रहने वाले अन्य पक्षियों के विषय में जानो। उन पक्षियों के चित्र अपनी स बुक में चिपकाओ और नाम लिखो।

4. नीचे दिए गए चित्र ध्यानपूर्वक देखो और दोनों चित्रों में अंतर ढूँढ़ो—

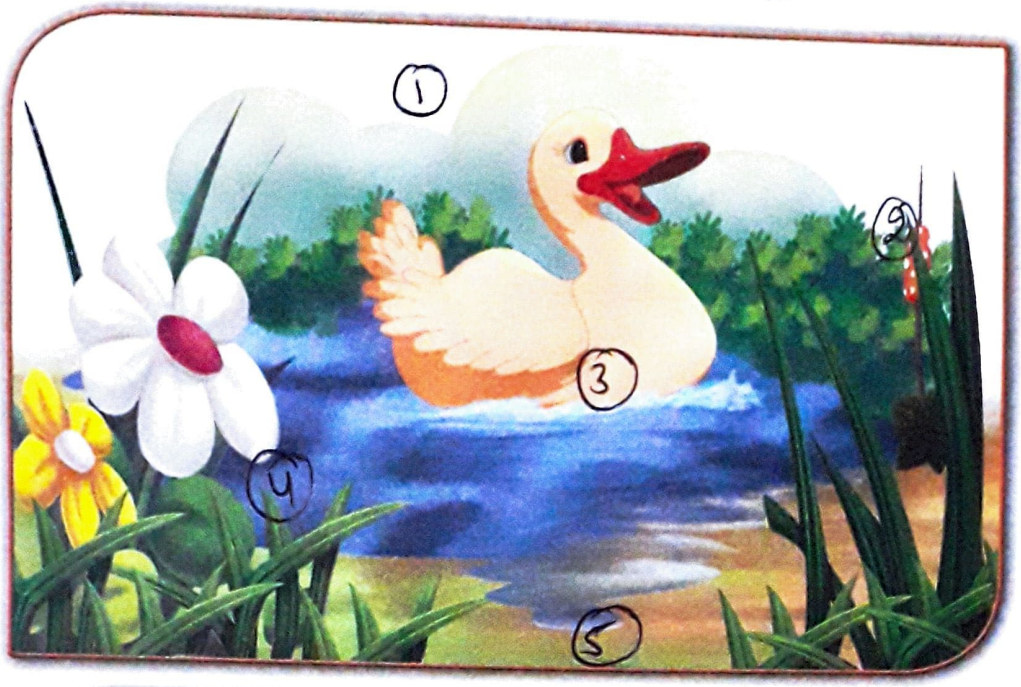

हमने क्या सीखा

1. हमें अपने गुणों एवं अच्छे स्वभाव को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
2. हमारे गुण और अवगुण ही हमारी पहचान बन जाते हैं।
3. हम अपनी अच्छाई से दूसरों को बुराई छोड़ने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।
4. भलाई से ही बुराई को जीता जा सकता है।